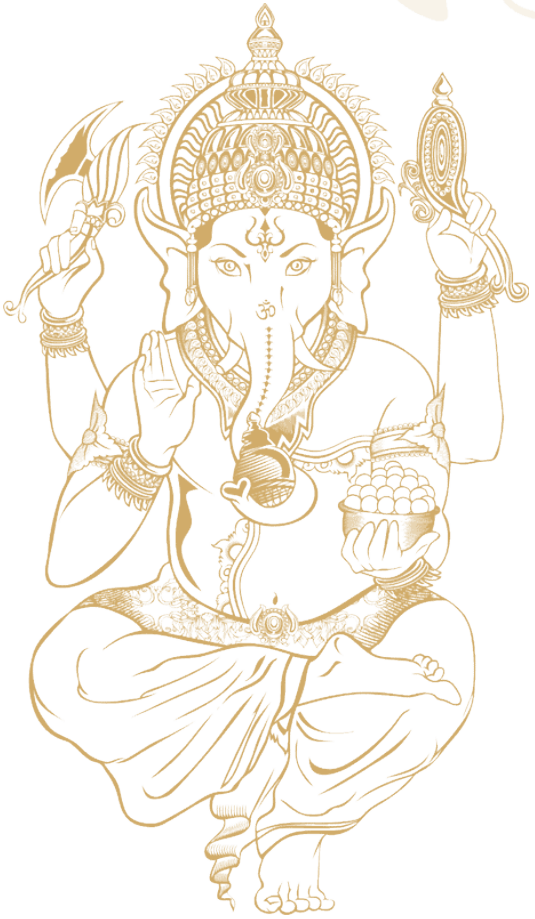

Bipin kasana

19 Sep 1978

05:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121954402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/09/1978**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:20:00 घंटे**
इष्ट	58:01:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:05:40 घंटे
साम्पातिक काल	04:49:01 घंटे
सूर्योदय	06:07:18 घंटे
सूर्यास्त	18:23:06 घंटे
दिनमान	12:15:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:08:24 कन्या
लग्न के अंश	20:50:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:50:03	316:17:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	02:08:24	00:58:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			मेष	00:51:39	13:38:04	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	05:51:02	00:40:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	सिंह	22:11:13	01:50:58	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	08:55:47	00:10:22	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			तुला	16:15:40	00:45:36	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			सिंह	13:13:17	00:07:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	03:10:37	00:00:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	03:10:37	00:00:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	20:13:34	00:02:47	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	22:07:03	00:00:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	22:12:45	00:02:15	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	20:04:43	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:34

लग्न-चलित

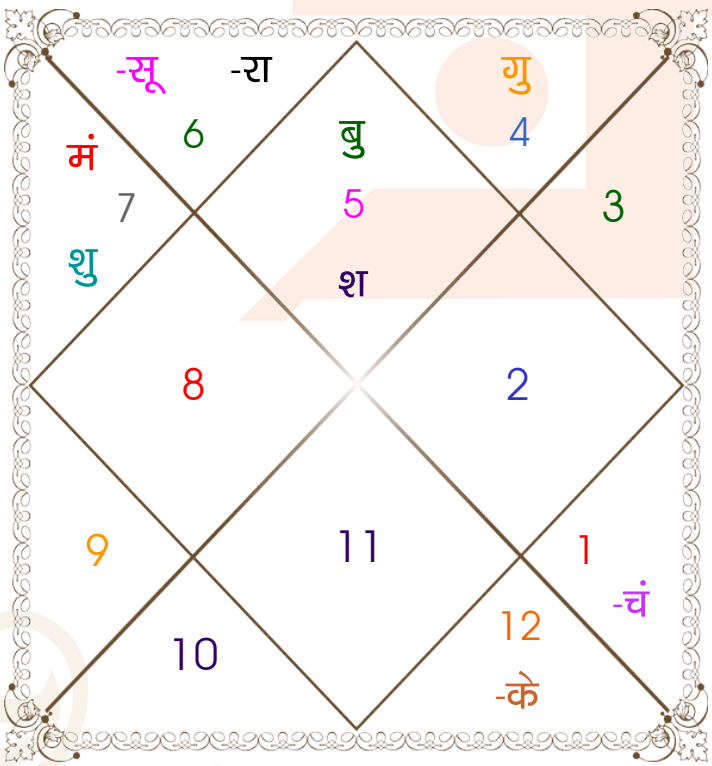

चन्द्र कुंडली

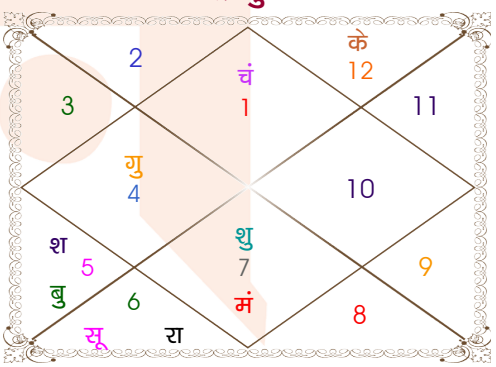

नवमांश कुंडली

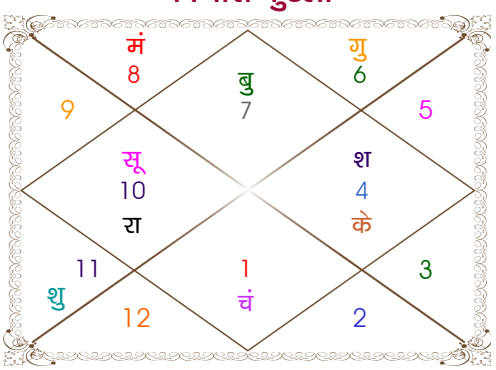

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/09/1978		06/04/1985		06/04/2005		07/04/2011		06/04/2021	
06/04/1985		06/04/2005		07/04/2011		06/04/2021		06/04/2028	
	19/09/1978	शुक्र	06/08/1988	सूर्य	25/07/2005	चंद्र	05/02/2012	मंगल	03/09/2021
शुक्र	03/11/1979	सूर्य	06/08/1989	चंद्र	24/01/2006	मंगल	05/09/2012	राहु	21/09/2022
सूर्य	10/03/1980	चंद्र	07/04/1991	मंगल	31/05/2006	राहु	07/03/2014	गुरु	28/08/2023
चंद्र	09/10/1980	मंगल	06/06/1992	राहु	25/04/2007	गुरु	07/07/2015	शनि	06/10/2024
मंगल	07/03/1981	राहु	07/06/1995	गुरु	11/02/2008	शनि	05/02/2017	बुध	03/10/2025
राहु	25/03/1982	गुरु	05/02/1998	शनि	23/01/2009	बुध	07/07/2018	केतु	01/03/2026
गुरु	01/03/1983	शनि	06/04/2001	बुध	30/11/2009	केतु	05/02/2019	शुक्र	01/05/2027
शनि	09/04/1984	बुध	05/02/2004	केतु	07/04/2010	शुक्र	06/10/2020	सूर्य	06/09/2027
बुध	06/04/1985	केतु	06/04/2005	शुक्र	07/04/2011	सूर्य	06/04/2021	चंद्र	06/04/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/04/2028		07/04/2046		07/04/2062		06/04/2081		07/04/2098	
07/04/2046		07/04/2062		06/04/2081		07/04/2098		00/00/0000	
राहु	18/12/2030	गुरु	25/05/2048	शनि	09/04/2065	बुध	03/09/2083	केतु	03/09/2098
गुरु	13/05/2033	शनि	06/12/2050	बुध	19/12/2067	केतु	30/08/2084	शुक्र	19/09/2098
शनि	19/03/2036	बुध	13/03/2053	केतु	26/01/2069	शुक्र	01/07/2087		00/00/0000
बुध	06/10/2038	केतु	17/02/2054	शुक्र	28/03/2072	सूर्य	07/05/2088		00/00/0000
केतु	25/10/2039	शुक्र	18/10/2056	सूर्य	10/03/2073	चंद्र	06/10/2089		00/00/0000
शुक्र	25/10/2042	सूर्य	06/08/2057	चंद्र	09/10/2074	मंगल	03/10/2090		00/00/0000
सूर्य	18/09/2043	चंद्र	06/12/2058	मंगल	18/11/2075	राहु	22/04/2093		00/00/0000
चंद्र	19/03/2045	मंगल	12/11/2059	राहु	24/09/2078	गुरु	29/07/2095		00/00/0000
मंगल	07/04/2046	राहु	07/04/2062	गुरु	06/04/2081	शनि	07/04/2098		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।